Regarding proposed merger of Konkan Railway with Indian Railways

श्री नरेश गणपत म्हस्के **(ठाणे) :** महोदय, मैं कोंकण रेलवे का भारतीय रेल में विलय करने के बारे में सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ ।? (व्यवधान) मैं इस सदन के माध्यम से एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ ।? (व्यवधान) मेरा विषय कोंकण रेलवे कारपोरेशन लिमिटेड का इंडियन रेलवे में प्रस्तावित विलय है ।? (व्यवधान)

कोंकण रेलवे की स्थापना 1990 के दशक का एक ऐतिहासिक कदम था ।? (व्यवधान) जिसने महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल को जोड़ते हुए भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्र को नई गति दी ।? (व्यवधान) इंडियन रेलवे ने इसमें 51 टका पूँजी निवेश किया था और बाकी हिस्सेदारी संबंधित राज्यों ने दी थी ।? (व्यवधान) परन्तु, जैसा कि मूल समझौते में उल्लेख था, 10 वर्षों के भीतर केआरसीएल को इंडियन रेलवेज में मर्ज होना चाहिए था, लेकिन अभी तक इंडियन रेलवे में कोंकण रेलवे मर्ज नहीं हुई है ।? (व्यवधान) उसकी वजह से पैसेंजर और मालगाड़ियों की शुरुआत नहीं हो पा रही है ।? (व्यवधान)

13.00 hrs

महोदय, इस लाइन का दोहरीकरण नहीं हो रहा है, क्योंकि फंड्स की भारी कमी है । देश के बाकी हिस्सों में रेलवे को केंद्र सरकार से बजटीय सहायता मिलती है, जबकि केएलसीएल अलग कोर्पोरेशन होने की वजह से वंचित हो रही है ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपकी मांग क्या है?

? (व्यवधान)

श्री नरेश गणपत म्हस्के **:** महोदय, मैं रेलवे मंत्रालय से विनती करता हूं कि जल्द से जल्द कोंकण रेलवे का इंडियन रेलवे में विलय किया जाए ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप बैठ जाएं ।

श्री धर्मेन्द्र यादव ।

? (व्यवधान)